



दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHIN/2018/76480

Postal Registration No-055/Raigarh DN CG

रायगढ़, बुधवार 09 फरवरी 2022

पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए

वर्ष-04, अंक- 133

महत्वपूर्ण एवं खास

कश्मीर पर पोस्ट को लेकर नाराजगी के बाद केएफसी ने मांगी माफी
कहा-हम भारत का सम्मान करते हैं

नई दिल्ली (आरएनएस)। क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूआरएस) श्रृंखला केएफसी ने सोशल मीडिया पर कश्मीर संबंधी पोस्ट को लेकर लोगों की नाराजगी के बाद सोमवार को माफी मांगी। सोशल मीडिया पर कंपनी की पाकिस्तान स्थित फ्रेंचाइजी की पोस्ट में कश्मीर के अलगाववादियों का समर्थन किया गया है। ट्विटर पर केएफसी इंडिया के आधिकारिक अकाउंट से जारी संदेश में कहा गया, हम उस पोस्ट के लिए दिल से माफी मांगते हैं, जिसे देश के बाहर से केएफसी के कुछ सोशल मीडिया पर प्रकाशित किया गया। हम भारत का सम्मान करते हैं और सभी भारतीयों की गर्व के साथ सेवा करने के अपने संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध हैं। एक अन्य क्यूआरएस श्रृंखला पिज्जा हट ने भी बयान जारी करके कहा है कि वह सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्ट की सामग्री से न तो सहमत है और न ही उसका समर्थन करता है।

ऑस्ट्रेलिया के पिलबारा में मिली पृथ्वी की सबसे पुरानी चट्टानें

वाशिंगटन । पश्चिमोत्तर ऑस्ट्रेलिया के पिलबारा में पृथ्वी की कुछ सबसे पुरानी चट्टानें मिली हैं, जो 3.6 अरब वर्ष से अधिक पुरानी हैं। यह जानकारी अमेरिका के स्पेस एजेंसी राष्ट्रीय वैमानिकी और अन्तरिक्ष प्रबंधन (नासा) ने दी है। नासा के मुताबिक ये लौह-समृद्ध चट्टानें वायुमंडलीय ऑक्सीजन की उपस्थिति और यहां तक कि जीवन की शुरुआत से पहले बनी थीं। आगे यह भी पता चला कि इन चट्टानों पर 3.45 अरब साल पुराने जीवाश्म स्ट्रोमेटोलिथ्स, माइक्रोबियल साइनोबैक्टीरिया की कॉलोनियां थीं। नासा ने बताया है कि यहां की प्राप्ति छवि एक्टर का एक समिग्रण है, जो नासा जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (जेपीएल), ज्ञाना के अर्थव्यवस्था व्यापार और उद्योग मंत्रालय, देशों के वैज्ञानिक तथा उद्योग संगठनों के बीच एक संयुक्त प्रयास के पांच पृथ्वी-अवलोकन उपकरणों में से है। नासा के मुताबिक ये 12 अक्टूबर 2004 को प्राप्त की गई छवि ने 49.1 गुणा 55.2 किलो मीटर के क्षेत्र को कवर किया है।

मैक्रों के लिए कीव में वार्ता मुश्किल होगी

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के लिए यूक्रेन के नेतृत्व के साथ कीव में बातचीत करना मुश्किल होगा। पुतिन ने सोमवार को कहा, कल ... श्रीमान राष्ट्रपति (फ्रांस) के लिए कीव में यह मुश्किल होगा ... लेकिन हम इस बात पर सहमत हुए कि परामर्श के बाद हम यूक्रेन के नेतृत्व से भी संपर्क करेंगे और जानने की कोशिश करेंगे कि यूक्रेन का वर्तमान नेतृत्व क्या चाहता और क्या नहीं चाहता है। वह कहा जाने वाला है। इसके आधार पर हम अपने कदम आगे बढ़ाएंगे। उल्लेखनीय है कि श्री मैक्रों ने मंगलवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेन्स्की के साथ वार्ता करने के लिए कीव जाने वाले हैं।

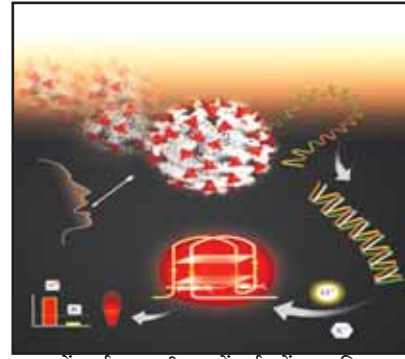
बर्फबारी से दुर्गम क्षेत्रों में दुधारियां बरकरार, 207 सड़कें अभी भी ठप, बंजार मार्ग पर भस्खलन

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के तीन दिन बाद भी दुर्गम व जनजातीय भागों में दुधारियां कम नहीं हुई हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार शाम छह बजे तक प्रदेश में तीन नेशनल हाईवे में एक स्टेट हाईवे समेत 207 सड़कें ठप थीं। हालांकि बिजली व पेयजल आपूर्ति अधिकतर प्रभावित भागों में बहाल कर दी गई है। सबसे ज्यादा सड़कें लाहौल-स्पीति व शिमला जिले में प्रभावित हैं। आज शाम तक काफी संख्या में बंद सड़कें बहाल होने की उम्मीद है। सड़कें बहाल करने के लिए सरकार ने लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द की हैं। विभाग ने 700 मशीनों जैसीबी, डोजर आदि सड़क बहाल करने के लिए लगाई हैं, वहीं 18 हजार कर्मचारियों को फील्ड में लगाया है। वहीं, सासे ने कुल्लू और लाहौल-स्पीति में हिमखंड की चेतावनी जारी की है। राजधानी शिमला में आज सुबह से मौसम साफ बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से सुबह जारी किए गए बुलेटिन के अनुसार प्रदेश में फरवरी को कुछ भागों में बारिश-बर्फबारी हो सकती है।

वैज्ञानिकों ने फ्लुओरेसेंस रीडआउट द्वारा सार्स-कोव-2 का पता लगाने के लिए एक नए टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म का विकास किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक नई प्रौद्योगिकी का विकास किया है, जो उत्सर्जित फ्लुओरेसेंस प्रकाश के मापन द्वारा वायरस जैसे रोगजनकों के फ्लुओरोमीट्रिक का पता लगाने के लिए एक टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म है। सार्स-कोव-2 का पता लगाने के लिए नई प्रौद्योगिकी की क्षमता प्रदर्शित की गई है। इस टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म का उपयोग एचआईवी, इंप्लुएंजा, एचसीवी, जीका, इबोला, बैक्टेरिया तथा अन्य उत्प्रेरित/उभरने वाले रोगजनकों जैसे दूसरे डीएनए/आरएनए रोगजनकों का पता लगाने के लिए भी किया जा सकता है।

वायरस मानव स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख वैश्विक खतरा है तथा सार्स-कोव-2 द्वारा उत्पन्न वर्तमान में जारी कोविड-19 महामारी ने हमारे जीवन के सभी पहलुओं पर विनाशकारी प्रभाव डालना जारी रखा है। आरएनए वायरस की अभूतपूर्व ट्रांसमिशन दर के कारण कॉटेक्ट ट्रेसिंग (प्रसार को रोकने के लिए) को सुगम बनाने के लिए त्वरित तथा सटीक निदान एवं समय पर उपचार प्रदान करना आवश्यक हो गया है।



भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्तशासी संस्थान जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएसआर) के वैज्ञानिकों ने आईआईएससी (भारत विज्ञान संस्थान) के वैज्ञानिकों के साथ मिल कर कोविड-19 नैदानिक नमूनों का पता लगाने के लिए एक गैरकैनेनिकल न्यूक्लिक एसिड आधारित जी-क्वार्प्लेक्स (जीक्यू) टोपोलॉजी लक्षित भरोसेमंद गठनात्मक पोलिमोर्फिज्म (जीक्यू-आरसीपी) प्लेटफॉर्म का प्रदर्शन किया है। यह शोध पत्र अभी हाल ही

में जर्नल 'एसीएस सेंसर्स' में प्रकाशित हुआ है तथा टीम ने अभिनव प्रौद्योगिकी के लिए एक पैटेंट भी दायर किया है। वर्तमान शोध पत्र ने एक अभिनव प्लेटफॉर्म जीक्यू-आरसीपी पर आधारित नैदानिक नमूनों में सार्स-कोव-2 के लिए पहले लक्षित डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म को प्रदर्शित किया। इस अपाणविक पहचान प्लेटफॉर्म को अधिक विश्वसनीयता तथा सेक्वेंस विशिष्टता के साथ प्रक्षेत्र-तैनाती

योग्य आइसोथर्मल एंटीकेशन जांचों में समेकित किया जा सकता है। यह प्लेटफॉर्म स्थिर तथा भरोसेमंद गैरकैनेनिकल डीएनए/आरएनए लक्ष्यों को अर्जित करने के लिए न्यूक्लिक एसिडों में परस्पर संपर्कों के एक अनूठे समूह की व्याख्या करने तथा प्रणालीगत लक्षण वर्णन पर अधिक जोर देता है। आरसीपी आधारित लक्ष्य सत्यापन बैक्टेरिया तथा डीएनए/आरएनए वायरस सहित विविध रोगजनकों के लिए एक गैरकैनेनिकल न्यूक्लिक एसिड लक्षित डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म के विकास के लिए एक सामान्य तथा मांड्यूलर दृष्टिकोण है।

सार्स-कोव-2 (कोविड-19) की सटीक पहचान के लिए आरटी-क्यू-पीसीआर स्वर्ण मानक रहा है। सार्स-कोव-2 के न्यूक्लिक एसिड लक्षित निदान पर हाल के नवोन्मेषणों के बीच आरटी-आरपीए तथा आरटी-लैम्प जैसी तकनीकें सामान्य प्रयोजन डीएनए गैर विशिष्ट एम्प्लीफिकेशन उत्पादों की पूर्वाग्रहहित पहचान से उत्पन्न फॉल्स-पोजिटिव परिणामों के रद्दना को बढ़ाता है। भरोसेमंद रीडआउट अर्जित करने के लिए अनूठे द्वितीयक अनुसूचनाओं की पहचान करना एक आशाजनक समाधान हो सकता है। टीम ने सार्स-कोव-2 की विशिष्टता का पता लगाने के लिए सार्स-कोव-2 के 30 केबी (किलोबाइट्स) जिनोमिक लैंडस्केप से उत्पन्न एक अनूठे जी-क्वार्प्लेक्स आधारित लक्ष्य की पहचान की है तथा उसका लक्षण वर्णन किया है। अन्य भरोसेमंद नैदानिक जांचों के विपरीत जहां विद्यमान मौलिक अवधारणाओं को फिर से तैयार किया गया है, यह शोध पत्र छोटे मोलेक्यूल फ्लुओरोफॉर्स (माइक्रोस्कोपिक मोलेक्यूल) का उपयोग करने के जरिये सार्स-कोव-2 सेक्वेंस के लिए विशिष्ट एक अभिनव, गैर परंपरिक संरचना को लक्षित करने के लिए एक पूरी तरह से नई कार्यनीति प्रस्तुत करता है।

सेल्फी के चक्कर में गंगनहर में डूबे तीन युवक, एक को बचाया दो लापता

रुडकी (आरएनएस)। सेल्फी के चक्कर में दो युवक गंगनहर डूबकर लापता हो गए। युवकों को बचाने गंगनहर में उनके साथी भी कूद पड़े। जिनको पुलिस ने बचा लिया। सूचना पर एसडीआरएफ की टीम गंगनहर पहुंची। कई घंटों तक लापता युवकों की तलाश को एसडीआरएफ की टीम ने गंगनहर को खंगाल डाला। हादसे के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। परिजन भी रुडकी पहुंचकर युवकों की तलाश में जुट गए हैं।

मोहित आहूजा (30), रोहित आहूजा (28) और मोहित सचदेवा (31) निवासी अंबाला रोड सुभाषनगर जिला सहारनपुर अपने साथियों के साथ कार से हरिद्वार की ओर घूमने आए हुए थे। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे के आसपास युवक कार में सवार होकर सोलानी पार्क पहुंच गए। वहां युवकों का ग्रुप सेल्फी लेने गंगनहर किनारे पहुंच गए।

इस दौरान मोहित आहूजा और मोहित सचदेवा का संतुलन बिगड़ गया और वह गंगनहर में डूबने लगे। साथियों को डूबता देख रोहित आहूजा और अन्य साथियों ने उन्हें बचाने के लिए गंगनहर में छलांग लगा दी। लेकिन गंगा का तेज बहाव सभी को बहते हुए आगे तक ले गया। शोर शराबा होने पर राहगीर घटनास्थल के पास पहुंच गए। इस दौरान मॉनिंग वॉक पर आए कांस्टेबल रघुवीर सिंह को घटना की जानकारी मिली। उन्होंने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। राहगीरों की मदद से उन्होंने किसी तरह रस्सी गंचन गए। फेंककर अपनी जान जोखिम में डालकर रोहित आहूजा पुत्र राकेश आहूजा को सफुल गंगनहर से बाहर निकाल लिया। इस दौरान मोहित आहूजा और मोहित सचदेवा गंगनहर में डूबकर लापता हो गए।

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक ऐतिहासिक उपलब्धि में, जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय एकल खिडकी प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस) में शामिल होने वाला पहला केंद्र शासित प्रदेश बन गया। केंद्र शासित प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (आईडीबी) यानी व्यापार में सुगमता की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कल अरुण कुमार मेहता, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव, सुसुमिता डावरा, अपर सचिव, डीपीआईआईटी, रंजन ठाकुर, प्रमुख सचिव उद्योग एवं वाणिज्य, जम्मू-कश्मीर के साथ एनएसडब्ल्यूएस के साथ एकीकृत

एनएसडब्ल्यूएस एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो निवेशकों को उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार अनुमोदन के लिए आवेदन करने और परिवर्तन के लिए एक गाइड के रूप में कार्य करता है। इस प्लेटफॉर्म को सितंबर 2021 में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, कपड़ा और उपभोग्य कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल द्वारा शुरू किया गया था। एनएसडब्ल्यूएस सूचना एकर करने और विभिन्न हितधारकों से मंजूरी प्राप्त करने के लिए निवेशकों के लिए कई प्लेटफॉर्म / कार्यालयों का दौरा करने की परेशानी को समाप्त कर देगा।

एनएसडब्ल्यूएस प्लेटफॉर्म पर कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सहित बीस मंत्रालयों / विभागों को एकीकृत किया गया है। वर्तमान में एनएसडब्ल्यूएस पोर्टल के माध्यम से 142 केंद्रीय स्वीकृतियां प्राप्त करने के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। एनएसडब्ल्यूएस में शामिल 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं।

आईएमपीसीएल ने आयुष मंत्रालय को 1.5 करोड़ रुपये से अधिक का लाभांश दिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत काम करने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) भारतीय दवाएं औषधि निगम लिमिटेड (आईएमपीसीएल) ने अपने हितधारकों आयुष मंत्रालय और उत्तराखंड सरकार को 1.65 करोड़ रुपये का लाभांश देने की घोषणा की है। आयुष भवन में आज आयोजित समारोह में आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को लाभांश का चेक प्रदान किया गया।



आईएमपीसीएल को मिनी रत्न कंपनी स्वीकार करते हुए मंत्री ने कहा कि दवाओं की आयुष प्रणाली को दुनिया भर में मान्यता दी जा रही है और बाजार का आकार भी बढ़ रहा है। आईएमपीसीएल ने कर पश्चात

1.89 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विभिन्न रोगों के विस्तृत श्रेणी के लिए प्रमाणन से संबंधित यह कंपनी वर्तमान में 656 पारंपरिक आयुर्वेदिक, 332 यूनानी और 71 ट्रेडमार्क युक्त आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर रही है। हाल ही में आईएमपीसीएल को 18 आयुर्वेदिक उत्पादों के लिए डीसीजी(दूध) द्वारा डब्ल्यूएचओजीएमपीसीओपीपी प्रमाणन प्रदान किया गया है, जिससे निर्यात कारोबार का पता लगाने का अवसर प्राप्त हुआ है।

आईएमपीसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि कंपनी द्वारा वर्ष 2020-2021 के लाभांश के रूप में आयुष मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री को कुल 1,62,64,182 रुपये की राशि सौंपी गई। इसी तरह उत्तराखंड सरकार के तहत काम करने वाले सरकारी उपक्रम कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएचवीएनएल) के माध्यम से उत्तराखंड राज्य सरकार को 3,13,315 रुपये सौंपे गए। लाभांश के रूप में कुल 1,65,77,497 रुपये की राशि सौंपी गई।

प्रबंध निदेशक के अनुसार यह कोविड-19 महामारी के कारण परिचालन गतिविधियों के लिए चुनौतीपूर्ण वित्तीय वर्ष था। हालांकि इसने सामान्य रूप से आयुर्वेदिक दवाओं और विशेष रूप से प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली दवाओं की बढ़ती मांग के कारण अवसर भी दिया है, जिसने 164.02 करोड़ के अब तक के उच्च कारोबार करने और कर पूर्व लाभ (पीबीटी) 15.69 करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

नई दिल्ली (आरएनएस)। टीवी इंडस्ट्री के लिए दुखद खबर है। फेमस सीरियल महाभारत में भीम का किर्दार निभाने वाले प्रवीण कुमार सोबती का निधन हो गया है। वह काफी समय से बीमार और आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। प्रवीण कुमार सोबती ने 74 साल की उम्र में अंतिम सांस ली है। पंजाब से ताल्लुक रखने वाले प्रवीण ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपनी अदाकारी से फैस का दिल जीत लिया था। बताते चलें कि एक्टिंग के साथ-साथ प्रवीण कुमार स्पोर्ट्स भी खूब एक्टिव रहते थे। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह काफी समय से घर में ही हैं। तबीयत ठीक नहीं रहती है और खाने में भी

5जी नेटवर्क विकास के अपने अंतिम चरण में है : दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंडिया टेलीकॉम 2022 में कहा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र के हितधारकों को योग्य विदेशी खरीददारों से मिलने के अवसर प्रदान करने के लिए, केंद्रीय अंतर-इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान, डीसीसी के अध्यक्ष तथा दूरसंचार विभाग के सचिव के. राजारामन आदि प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आज एक विशेष अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एक्सपो-इंडिया टेलीकॉम 2022 का उद्घाटन किया।

निर्यात संवर्धन परिषद (टीईपीसी) द्वारा 8 फरवरी से 10 फरवरी, 2022 तक आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में 45 से अधिक देशों के योग्य खरीदार भाग ले रहे हैं। सम्मेलन के रूप में उभरा है। आज भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग 75 अरब अमरीकी डॉलर के करीब है। यह 20 प्रतिशत सीएजीआर से ऊंची दर से बढ़ रहा है। अब, हमने एक प्रमुख सेमीकंडक्टर



प्रोग्राम शुरू किया है। यह एक बहुत व्यापक कार्यक्रम है, जिसमें सिलिकॉन चिप से लेकर कंपाउंड सेमीकंडक्टरों, डिजाइन आधारित निर्माण, डिजाइन में उद्यमियों की एक श्रृंखला तैयार करने अंततः 85,000 सेमीकंडक्टर इंजीनियरों को तैयार किया जाना है। प्रौद्योगिकी के विकास के बारे में, अश्विनी वैष्णव ने कहा, देश ने अपना स्वदेशी विकसित 4जी कोर और रैडियो नेटवर्क भी तैयार किया है। 5जी नेटवर्क

भी विकास के अंतिम चरण में है। देश आज 6जी मानकों के विकास में, 6जी की विचार प्रक्रिया में भाग ले रहा है। संचार राज्य मंत्री देवुसिंह चौहान ने विशेष भाषण में कहा, संचार केवल एक सुविधा नहीं है। यह देश के नागरिकों को सूचना, शिक्षा और प्रश्र पृष्ठने का अवसर प्राप्त करने में सशक्त बनाता है और वर्तमान सरकार को जवाबदेह बनाता है। पारदर्शिता तथा जवाबदेही हमारे लोकतंत्र को जीवंत और मजबूत बनाती है। यह सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों के लिए एक प्रमुख प्रेरक है। इसलिए सरकार ने सभी 6 लाख गांवों में ऑप्टिकल फाइबर पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। हम 2.6 लाख गांवों तक पहुंच चुके हैं

और दूरसंचार विभाग 2025 तक लक्ष्य हासिल करने की योजना बना रहा है। यह डिजिटल खार्ड को पाटने के साथ-साथ न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के आदर्श वाक्य को भी चरितार्थ करेगा। अपने भाषण में डीसीसी के अध्यक्ष और दूरसंचार विभाग के सचिव के. राजारामन ने कहा, सरकार ने दूरसंचार उपकरणों के लिए आसान बाजार पहुंच के साथ-साथ एक निष्पक्ष और सक्रिय नियामक ढांचा तैयार किया है। जिसने उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर दूरसंचार सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की है। व्यापार को आसान और किरायायती बनाने के लिए पिछले साल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर विनियमन और सूचार की दिशा में कई उपाय किए गए हैं। इस साल के अंत में इस तरह के और

प्रयासों के साथ दूरसंचार क्षेत्र में सुधार की पहल को और आगे बढ़ाया जा रहा है। उपग्रह आधारित कनेक्टिविटी सहित नई प्रौद्योगिकियों के साथ संभावनाओं का पता लगाने की बढ़ती स्वीकार्यता एक सरकारात्मक संकेत है। पूरी तरह से भारत में डिजाइन किए गए, भारतीय 4जी निभाने जा रहा है, 5जी नए उपयोग किए गए मामलों को जीवन में लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा जिससे भारतीय बाजारों के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में फिन्टेक समाधानों का प्रसार हो सकता है, दुनिया के लिए भारत में 5जी उपकरण का निर्माण किया जा रहा है।